ओ मईया तैने का ठानी मन में

ओ मईया तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में -२
हाय री तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में -२

यधपि भरत तेरो ही जायो,
तेरी करनी देख लज्ञायो,
अपनों पद तैने आप गँवायो
भरत की नजरन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
हठीली तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में |

महल छोड़ वहाँ नहीं' रे मड़ैया,
सिया सुकुमारी,संग दोउ भईया,
काहू वृक्ष तर भीजत होंगे,
तीरो मेहन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
दीवानी तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में -२

कौशल्या की छिन गयी वाणी,
रोय ना सकी उर्मिला दीवानी,
कैकेयी तू बस एक ही रानी
रह गयी महलन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में ,
दीवानी तैने का ठानी मन में,
राम-सिया भेज दइ री वन में -२

स्वर - रविन्द्र जैन
म्यूजिक - रविंद्र जैन
गीतकार - रविंद्र जैन

This Bhajan Is Taken From Ramayana Serial (1987).

स्वर : रविन्द्र जैन

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1311/title/o-maiya-tene-kya-thani-man-me-raam-siya-bhej-deyi-ri-van-me-by-Ravindra-Jain

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |